APRIL TO JUNE 2018-19

विगत तीन माह की गतिविधियाँ

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थि
1.	चना	जे.जी. 14	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
2.	गेहूं	G.W. 366	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
3.	चना	जे.जी. 14	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
4.	गेहूं	G.W. 366	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
5.	गन्ना	co-86032	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
6.	गन्ना	co-86032	लाल सड़न रोग प्रबंधन का प्रदर्शन	5.0	12
7.	मशरूम		मशरूम उत्पादन का प्रदर्शन		
8.	मछली		मछली सह बतख पालन का प्रदर्शन	1.0	06
9.	मछली		मिश्रित मछली पालन का प्रदर्शन	1.0	06
10.	मछली		ग्रास कार्प मछली के बढवार का प्रदर्शन	1.0	06
योग				33	90

प्रक्षेत्र परिक्षण

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थि
1.	अरहर	आशा	रबी अरहर का आकलन	1.0	05
2.	चना	जे.जी. 14	चने की कतार बोनी हेतु ब्राड वेड का आकलन	1.0	05
3.	चना	जे.जी. 14	चने की कालर रॉट रोग प्रबंधन हेतु ट्राइकोडर्मा विरडी का आकलन	0.8	04
4.	टमाटर		टमाटर के झुलसा रोग प्रबंधन का आकलन	0.8	04
5.	धान गन्ना		फसल अवशेषो के अपघटन हेतु ट्राइकोडर्मा के प्रयोग का आकलन	0.8	04
6.	गेहूं	G.W. 366	स्वचलित रीपर द्वारा गेहूं कटाई का आकलन	0.8	04
7.	मछली		नर्सरी तालाब में मत्स्य बीज (जीरा से फ्राई) उत्पादन का आकलन	0.5	04
8.	मछली		नर्सरी तालाब में मत्स्य बीज (जीरा से अंगुलिका) उत्पादन का आकलन	0.5	04
9.	मछली		जलीय किड़े के विनाश पश्चात् मत्स्य बीज उत्पादन नर्सरी तालाब बीज (जीरा से फ्राई) उत्पादन का आकलन	0.5	04
योग				6.7	38

TSP-अंतर्गत प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	रकबा (हे.)
1.	चना	जे.जी. 14	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	10	25
योग				10	25

कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	4	1	80
2.	पौध संरक्षण	4	1	80
3.	मत्स्यकी	4	1	80
4.	कृषि अभियांत्रिकी	4	1	80
योग		16		320

प्रक्षेत्र मे गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	गन्ना	co-86032	आधार	0.4
2.	गन्ना	co-94008	आधार	0.4
3.	गन्ना	co-671	आधार	0.4
4.	गन्ना	co-99004	आधार	0.4
5.	गन्ना	co-85004	आधार	0.4
योग				2.0

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभार्थी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	10	60
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	100	100
योग	110	160

बीजोत्पादन कार्यक्रम रबी -17-18

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	चना	जे.जी. 14	प्रमाणित	3.8
2.	मुंग	पैरीमुंग	प्रजनक	1.0
3.	तिवड़ा	महातिवड़ा	प्रजनक	2.0
योग				6.8

समूह प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	चना	जे.जी. 14	50	125
2.	सरसो	पुसा विजय	15	37
3.	अलसी	RLC-92	15	38
योग			80	200

सीड हब योजनान्तंगत बीजोत्पादन कार्यक्रम-17-18

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	चना	जे.जी. 14	प्रमाणित	58.4
योग				72.2

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

बुक-पोस्ट
भारत शासन सेवार्थ

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
पिन-491995
फोन/फैक्स 07741-299124
E-mail: kvkkawardha@yahoo.in

प्रति,
श्री/श्रीमती/डॉ. ....
....
....

उन्नत कृषि — समृद्ध किसान

इंदिरा किसान मितान
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

अंक- 01 | त्रैमासिक पत्रिका, अप्रैल, मई, जून 2018 | वर्ष-11

संपादक मंडल

संरक्षक : डॉ. एस.के.पाटिल
कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक : डॉ. एम.पी.ठाकुर
निदेशक विस्तार सेवाएँ, इं.गां.कृ.वि.रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत : डॉ. अनुपम मिश्रा
निर्देशक- ICAR-ATARI
जोन-9 जबलपुर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं प्रधान संपादक :
डॉ. बी.पी.त्रिपाठी
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

संपादक : श्री बी.एस. परिहार
विषय वस्तु विषेशज्ञ
सस्य विज्ञान

सह संपादक :
इं.टी.एस.सोनवानी
विषय वस्तु विषेशज्ञ
कृषि अभियांत्रिकी
कु.मनीषा खापर्डे
विषय वस्तु विषेशज्ञ
मात्स्यिकी
श्री वाई.के. कौशिक
कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

माननीय कुलपति जी के द्वारा विभिन्न इकाईयों का उद्घाटन किया गया

कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा में दिनांक 09.01.2018 को डॉ. एस. के पाटील कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र में पशुधन उत्पादन इकाई, बीज प्रोसेसिंग इकाई, मशरूम उत्पादन इकाई, मुर्गी पालन इकाई, ग्रीन हाऊस इकाई एवं मृदा परीक्षण लैब का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॅ. एम.पी. ठाकुर, निदेशक विस्तार सेवाएं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, श्री सुरेश चंद्रवंशी, सदस्य, प्रबंध मण्डल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, डॉ. आर. के. द्विवेदी, अधिष्ठाता, संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कवर्धा, डॉ. एच. के. वरडिया, अधिष्ठाता, मात्स्यिकी महाविद्यालय, कवर्धा उपस्थित थे। भ्रमण के दौरान माननीय कुलपति जी द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत विभिन्न समूहों, रेड्डी फाउण्डेशन, आत्मा समूह, मछली पालन समूह को संबोधित करते हुए। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत स्प्रेयर एवं धुम्रण यंत्रों का सुधार रख–रखाव एवं उपयोग विधि विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किये प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कृषक सम्मेलन का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा दिनांक 15.02.2018 कों एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कृषक सम्मेलन का आयोजन जागरूकता कार्यक्रम पौध किस्म संरक्षण सह कृषक अधिनियम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री अजित चंद्रवंशी, सदस्य, कृषक कल्याण परिषद,छ.ग.शासन उपस्थित थे। कृषकों को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि कृषक अपनी विभिन्न फसलें जैसें फल,सब्जियां,दलहनी,तिलहनी, अनाजें आदि को संरक्षित कर अपने अधिकार को समझते हुए पंजीयन अवश्य करायें। इसके साथ समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाकर अपनी आजिविका में सुधार अवश्यक करें। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. दीपक शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर ने कहा कि भा.कृ.अनु.परिषद के द्वारा गये ऐसे कार्यक्रम से निश्चित ही कृषकों को लाभ होगा एवं नई जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

सीधा प्रसारण माननीय प्रधानमंत्री का उद्बोधन सह कृषि उन्नति मेला

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के द्वारा दिनांक 17.03.2018 को कृषि उन्नति मेला का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अजित चंद्रवंशी, सदस्य, कृषक कल्याण परिषद,छ.ग.शासन, अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्रवंशी, सदस्य, प्रबंध मण्डल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, डॉ. आर. के. द्विवेदी, अधिष्ठाता, संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कवर्धा, श्री सुशील वर्मा, डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर (आत्मा), श्रीमति कमला बाई कुर्रे, सरपंच, ग्राम पंचायत नेवारी एवं भारी मात्रा में कृषकों ने भाग लिया तथा सभी ने मिलकर माननीय प्रधानमंत्री का उद्बोधन का सीधा प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से देखा गया।

APRIL TO JUNE 2018-19

प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र , कवर्धा के द्वारा ग्राम सोनपुर एवं गांगपुर आदिवासी उपयोजनांतर्गत चना फसल में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन आयोजन किया गया। जिसमें 121 कृषक एवं महिला कृषक ने भाग लिया एवं चना फसल के लिए खेत की तैयारी, उन्नत किस्में, खाद उर्वरक, कीड़े, बीमारी की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

प्रशिक्षण एक्वाकल्चर वर्कर

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत दिनांक 12.01.2018 से 27.02.2018 तक कुल 20 प्रशिक्षणार्थी को मछली पालन के विषय में मछली के साथ विभिन्न इकाई जैसे बत्तख, मुर्गी, पशुपालन, सब्जी उत्पादन, मशरूम उत्पादन, फसल उत्पादन एवं उद्यानिकी के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रशिक्षणार्थी समन्वित मछली पालन को अपनाकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते है। इस प्रशिक्षण में परीक्षा के उपरांत प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

समूह फसल प्रदर्शन पर प्रक्षेत्र दिवस

कृशि विज्ञान केन्द्र कवर्धा, द्वारा दिनांक 06 फरवरी 2018 को ग्राम – चिलमखोदरा, विकासखण्ड स. लोहारा में समूह फसल प्रदर्शन पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कृशि विज्ञान कवर्धा, द्वारा राश्टीय तिलहन मिशन अन्तर्गत अलसी का समूह फसल प्रदर्शन कार्यक्रम लिया गया है जिसके तहत ग्राम चिलमखोदरा में फसल अलसी किस्म आर. एल. सी. 92 का प्रदर्शन दिया गया है जिसका उद्देदय तिलहन फसल का रकबा एवं पैदावार को बढ़ावा देना। प्रक्षेत्र दिवस में अलसी उत्पादन तकनिकी जैसे उन्नत किस्म के बीज एवं सम्पूर्ण फसल सुरक्षा की जानकारी किसानो को दी गई। साथ ही कबीरधाम जिलें के प्रमुख फसलें धान, सोयाबीन, गन्ना एवं चना उत्पादन तकनिकी के बारे में किसानों को अवगत कराया गया। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने अलसी, चना में लगने वाले प्रमुख रोग एवं कीट का समन्वित प्रबंधन पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी एवं दलहन एवं तिलहन फसल को बढ़ावा देने हेतु अच्छे बीज एवं उन्नत तकनीकी किसानो का बताई। वैज्ञानिक श्री बी. एस. परिहार ने उन्नत किस्म के बीज एवं उर्वरक प्रबंधन की जानकारी दी एवं इंजी टी. एस. सोनवानी एवं ग्राम चिलमखोदरा के 100 से अधिक किसानों एवं उपस्थित रहें।

कृषक संगोष्ठी सह सम्मान समारोह

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा एवं डॉ. रेड्डी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 21.03.2018 को ग्राम गांगपुर में कृषक संगोष्ठी सह लीड फार्मर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य लीड फार्मर को प्रात्साहित करना जिससे प्रेरित होकर अन्य कृषक अपनी आय दुगुनी कर सके। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के द्वारा कुल 10 कृषकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया एवं डॉ. बी. पी. त्रिपाठी द्वारा रबी फसलों में कीट व्याधि नियंत्रण एवं आगामी खरीफ फसल हेतु भूमि तैयारी, गर्मी की गहरी जुताई, बीज उपचार, धान एवं सोयाबीन के अलावा मूंगफली की विस्तृत जानकारी समस्त किसानों को प्रदान की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित मृदा वैज्ञानिक श्री परषोत्तम सिन्हा, ग्राम पंचायत गांगपुर के सरपंच, रोजगार सहायक श्री नारायण पटेल एवं 100 से अधिक कृषक उपस्थित थे। गांगपुर के आसपास के पंचायत से आये कृषक ने अपनी समस्या रखी जैसे बैगन के फल छेदक कीट, भिण्डी के मोजेक वायरस, बरबट्टी के मोजेक वायरस, लौकी की रेड पमकीम बीटल आदि की समस्याओं का डॉ. बी. पी. त्रिपाठी द्वारा त्वरित निदान किया गया एवं कृषकों को समन्वित कृषि प्रणाली अपनाने हेतु विस्तृत जानकारी दी गई।

अप्रैल

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- मृदा संरचना में सुधार हेतु अकरस जुताई का कार्य करें।
- गन्ने की पेड़ी फसल से तना बेधक का प्रकोप होने पर फोरेट 10 जी दानेदार दवा का 10 किलो प्रति हेक्टे. की दर से उपयोग करें।
- गन्ने की शीतकालीन फसल में नत्रजन की शेष मात्रा का छिड़काव करें एवं मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।

उद्यानिकी

- टमाटर, मिर्च, बैगन, भिण्डी तथा बरबट्टी आदि सब्जियों के बीज तैयार करने का उचित समय है।
- सब्जी लगाने हेतु खेत की गहरी जुताई करें।
- उसे खाली छोड़ दे साथ ही पॉलीथीन से ढ़क भी सकते है जिससे मृदा जनित खरपतवार तथा बीमारी व कीड़े के अण्डे भर जाये।
- आम, नींबू वर्गीय एवं अन्य फसलों में सिंचाई प्रबंधन करें।
- गुलाब की क्यारियों और गमलों में 3-4 दिन के अंतराल में पानी देते रहें और महीने में एक बार कीटाणुनाशक दवाइयों का छिड़काव करें।
- कद्दूवर्गीय फसलों में लाल भृंग फल मक्खी कीड़ो के नियंत्रण हेतु बीज बुआई के पहले कार्बोरिल 10 प्रतिशत जे.जी. गड्ढ़ो में मिलाना चाहिए।

पशुपालन -

- पशुओं को पेट के कीड़ो की दवाई नियमित दें।
- पशुओं का बिछावन समय समय पर बदलवाते रहें।
- दुधारू पशुओं के थनैला रोग से बचाव के उपाय करें।
- पशु के सम्पुर्ण विकास के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम दें।
- पशुओं को गर्मी से बचाव हेतु उपयुक्त उपाय करें।

मई

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- भूमि जनित रोगो के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें।
- गेहूँ के बीजो को धूप में लगभग 6 घंटे तक पक्के फर्श पर सुखाकर भण्डारित करें।
- मृदा संरचना सुधार हेतु अकरस जुताई करें एवं कार्बनिक खाद खेतों में वितरित करें।
- गन्ना में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।
- फसलों मे दीमक तथा भूमिगत कीटों के नियंत्रण हेतु फ्लोर पायरीकास 1.5 प्रतिशत चूर्ण को 20-25 किलो प्रति हेक्टे. की दर से मिट्टी में मिलायें तथा गुड़ाई करें।

उद्यानिकी

- तैयार लॉन से खरपतवार निकाल कर सफाई करनी चाहिए और पौधों को पानी देना चाहिए।
- हल्दी, घुइयाँ, अदरक हेतु खेत की तैयारी करें एवं बुवाई करें।
- वर्षाकालीन सब्जियों की बुवाई की तैयारी करें।
- आम, बेल, अनानास रबेर का मुख्या चटनी, अचार एवं सब्जियों को सुखाने का कार्य करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई पॉलीथीन बैग में करें।

पशुपालन

- गाय व भैस के गर्मी में आने पर उत्तम नस्ल के सांड से समय पर गाभीन करवायें।
- ब्याने वाले पशुओं का विशेष ध्यान रखते हुए अन्य पशुओ से अलग रखे।
- पशुशाला की सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- नवजात बछड़े एवं बछड़ियों को अंत: परजीवि एवं बाह्य परजीवि नाशक दवाई पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित देवें।

जून

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- बुवाई पूर्व जुताई कार्य करें ताकि वितरित किए गए कार्बनिक खाद का मृदा में उचित मिश्रण हो सके।
- सोयाबीन एवं अरहर के लिए जमीन की तैयारी कर बुवाई करें।
- दलहनी फसलों को बुवाई के पूर्व फफूंदनाशक दवा एवं राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करें।
- धान के बीजों को 17 प्रतिशत नमक के घोल में डाल कर ठोस बीजों का चुनाव करें तथा चयनित बीजों को दो बार स्वच्छ पानी से धोकर फफूंद नाशक साफ सुपर कार्वेडाजिम (2 ग्रा./ली.) से उपचारित कर बोयें।
- धान के नींदा नियंत्रण हेतु बोता धान में सल्पुराना इथाइल या ब्यूराक्लोर या पेन्दी मेंथिन को प्रयोग करें।
- भूमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें। धान की कतार बोनी तथा खुर्रा बोनी करें।

उद्यानिकी

- नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर रोपनीबना लेंवें। सब्जियों की पौधशाला हेतु क्यारी निर्माण, भूमि उपचार एवं क्यारियों में बीजों की बुवाई करें।
- बरसात की फसल हेतु कद्दूवर्गीय सब्जियों के बीजों की बुवाई करें।
- टमाटर, मिर्च, बैगन एवं फलगोभी की नर्सरी तैयार करें।

पशुपालन

- ब्याने वाले पशुओं को प्रसुति बुखार से बचाने को लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें।
- पशु ब्याने के एक से दो घण्टे के अन्दर नवजात बछड़े बछड़ियो को पेऊश अवश्य पिलायें।
- नवाजा बछड़े बछड़ियों को 10-15 दिन के आयु परसिंग रहित करवायें।
- पशुओं को संक्रामक रोग रोधी टीके समय समय पर अवश्य लगवायें।